

SHRI VIRAT KOHLI

Shri Virat Kohli is the captain of the Indian cricket team and has been at the forefront of the Indian cricket team's recent successes in different forms of the game.

2. Born on November 05, 1988 in Delhi, Shri Virat was drawn to cricket as a child. The turning point of his life was his induction in the West Delhi Cricket Academy in the late 1990s. Raj Kumar Sharma, the coach at the Academy, noticed and nurtured the boy's talent, desire and drive to excel on the cricket field. In the years that followed, Virat made waves with his batting performances in junior-level tournaments in Delhi. From the very beginning, he displayed a penchant for playing long innings and amassing tall scores. His consistency won him a place in Delhi's Ranji Trophy side at the age of 18. In a Ranji Trophy game against Karnataka in the 2006-07 season, Shri Virat made a valiant bid to take Delhi past the opposition's score of 446 with an innings of 90. What was poignant about that knock was that he had lost his father the previous day. Unbeaten on 40 overnight, he endeared himself to his teammates and even opponents by turning up at the ground to assist his team.

3. Shri Virat became a household name in India when he captained the national side to victory in the ICC Under-19 World Cup in 2008.

4. Shri Virat made his international debut in mid-2008 and underwent an apprenticeship with the national side for nearly a year. Once he came to terms with the demands of the highest level, there was no looking back. An innings of 79 against the West Indies in the ICC Champions Trophy in 2009 was followed by a match-winning 107 against Sri Lanka at Kolkata. These knocks helped him cement his place in the Indian One-Day International (ODI) side. Virats propensity to keep his cool in a crisis was evident in the 2011 World Cup final, wherein he brought India's chase of a target of 275 back on track with an innings of 35, after the team had lost Virender Sehwag and Sachin Tendulkar early.

5. Shri Virat made his Test debut later that year. He was the only Indian to score a century in a Test series against Australia in the 2011-12 season. He scored an exceptional 183 against Pakistan in a league game of the Asia Cup in 2012.

6. On India's next tour of Australia in 2014-15, Shri Virat was at his best. He led the national side in the first Test and scored two hundreds, thus becoming only the second player in Test history after Australia's Greg Chappell to do so on his captaincy debut. He was officially named captain of India's Test side after Shri Mahendra Singh Dhoni announced his retirement from the traditional format, at the end of the third Test of the series. Shri Virat scored four hundreds in all in the four-Test series and ended it with an aggregate of 692, the highest by an Indian batsman in a single series since Shri Sunil Gavaskar's 732 runs against the West Indies in 1978-79.

7. Shri Virat did well in the 2015 World Cup that followed. His 107 in the opening game against Pakistan set up India's sixth consecutive win over the traditional rivals in a World Cup game. A year later, he was named Player of the ICC World T20 2016, which was played in India. He had won the same award for his outstanding performances in the previous edition of the tournament in Bangladesh in 2014.

8. As captain, Shri Virat has led India to Test series wins over Sri Lanka, South Africa, West Indies, New Zealand and England. He led from the front in these campaigns. In the calendar year of 2016 alone, he scored three double centuries.

9. Today, Shri Virat is ranked the second-best batsman in Tests, the third-best in ODIs and the best in T20 Internationals. No other player has been as dominant as him across formats.

10. Shri Virat was the recipient of the Government of India's Arjuna Award for Sporting Excellence in 2013. He received the BCCI's Polly Umrigar Award for being its most successful cricketer of the year in 2011-12 and 2014-15. He was declared the ICC Men's ODI Cricketer of the Year in 2012.



श्री विराट कोहली

श्री विराट कोहली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान हैं। आपने क्रिकेट की सभी विधाओं में भारतीय क्रिकेट टीम की हाल की सफलताओं में अग्रणी भूमिका निभाई है।

2. आपका जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ। आप बचपन से ही क्रिकेट से आकर्षित हुए। आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण क्षण था जब आप 1990 के दशक के आखरी वर्ष में पश्चिमी दिल्ली क्रिकेट अकादमी के लिए चयन किये गए थे। इस अकादमी के कोच, श्री राजकुमार शर्मा ने आपमें बाल्य अवस्था में ही प्रतिभा, प्रबल इच्छा एवं क्रिकेट के क्षेत्र में सफल होने की उत्कट अभिलाषा को पहचान लिया था। बाद के वर्षों में आपने दिल्ली में जूनियर लेवल टूर्नामेंटों में अपनी बैटिंग से नए कीर्तिमान रच दिये। प्रारंभ से ही आपने लंबी पारी खेलने एवं बड़े स्कोर खड़ा करने की अदम्य इच्छा दिखाई है। आपके निरंतर उत्तम प्रदर्शन के कारण 18 वर्ष की आयु में आपको दिल्ली रणजी ट्राफी टीम में स्थान प्राप्त हुआ। कर्नाटक के विरूद्ध 2006-07 के सीज़न में रणजी ट्राफी के एक मैच में आपने 90 रनों की बेमिसाल पारी खेलकर प्रतिपक्षी टीम के 446 रनों के आंकड़ें को पार करने में दिल्ली टीम की बड़ी ही सहायता की। इस पारी की सबसे बड़ी मर्मस्पर्शी बात यह है कि उसके ठीक पहले दिन आपके पिताजी स्वर्गवासी हो गए थे। पिछले दिन 40 रन पर अविजित रहने के बाद आपने अपनी टीम की सहायता के लिए मैदान में उतरकर न केवल अपने साथियों का बल्कि प्रतिपक्षियों का भी दिल जीत लिया।

3. वर्ष 2008 में आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तान के रूप में भारत को जीत दिलाकर आप पूरे देश में सुप्रसिद्ध हो गए।

4. आपने वर्ष 2008 के मध्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पर्दापण किया तथा एक वर्ष तक राष्ट्रीय टीम में एक प्रशिक्षु की भांति रहे। उच्चतम स्तर की मांग पर खरे उतरने के बाद, आपने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 2009 में आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी में आपने वेस्टइंडीज के खिलाफ 79 रनों की धमाकेदार पारी खेली और पुन: श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता में 107 रन की विजयी पारी खेली। इन पारियों की मदद से आपने भारतीय एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (ओडीआई) टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। संकट के समय में आपका शांतचित्त एवं एकाग्रता का उदाहरण वर्ष 2011 में आयोजित विश्व कप मैच के फाइनल में देखने को मिला, जब भारतीय टीम ने विरेन्द्र सहवाग एवं सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों के विकेट पहले ही खो दिये थे और आपने 35 रनों की एक उमदा पारी खेलकर 275 रनों के लक्ष्य को पीछा करने में भारतीय टीम को पुन: संभाल लिया था।

5. आपने बाद में उसी वर्ष टेस्ट टीम में पर्दापण किया। वर्ष 2011-12 के सीज़न में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरिज में शतक लगाने वाले आप एकमात्र भारतीय थे। आपने वर्ष 2012 में एशिया कप के लीग मैच में पाकिस्तान के विरूद्ध 183 रन की बेमिसाल पारी खेली।

6. वर्ष 2014-15 में भारतीय टीम के आस्ट्रेलिया के अगले दौरे पर आपने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया। आपने राष्ट्रीय टीम का प्रथम टेस्ट में ही नेतृत्व किया एवं दो शतक लगाए। इस तरह आस्ट्रेलिया के ही ग्रेग चैपल के बाद आप क्रिकेट इतिहास के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए जिन्होंने अपनी कप्तानी के पहले मैच में ही ऐसे कारनामे किये हैं। श्री महेन्द्र सिंह धोनी द्वारा औपचारिक रूप से भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद आपको भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान घोषित किया गया। आपने सभी चार टेस्ट श्रृंखलाओं में चार शतक जड़कर कुल 692 रन बनाए जो सुनील गावस्कर द्वारा वर्ष 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक श्रृंखला में बनाए गए 732 रन के बाद किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिकतम रनों का योग था।

7. आपने इसके बाद 2015 विश्व कप में उत्तम प्रदर्शन किये। लीग मैच में पाकिस्तान के विरुद्ध 107 रनों की उमदा पारी खेलकर विश्व कप मुकाबले में अपने पंरपरागत प्रतिद्वंदी के विरूद्ध लगातार छ:ठे मैच जीतने में भारतीय टीम की बड़ी सहायता की। एक वर्ष के बाद ही भारत में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड कप टी20 में आईसीसी वर्ल्ड कप टी20 प्लेयर घोषित किये गए। आप इससे पहले भी वर्ष 2014 में आयोजित टूर्नामेंट के पूर्व संस्करण में अपने उत्कृष्ट प्रदशनों के कारण यह पुरस्कार प्राप्त कर चुके थे।

8. कप्तान के रूप में आपने श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड एवं इंग्लैंड के विरूद्ध टेस्ट श्रृंखलाओं में भारत को जीत दिलाई। इन अभियानों में आपने अग्रणी भूमिका निभाई है। कलेंडर वर्ष 2016 में ही आपने तीन दोहरे शतक जड़ दिये हैं।

9. आज टेस्ट क्रिकेट में आप विश्व के दूसरे नंबर रैंक, ओडीआई में तीसरे नंबर रैंक तथा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले नंबर रैंक पर विराजमान हैं। क्रिकेट की इन सभी विधाओं में इससे पहले इतने प्रभावशाली खिलाड़ी कोई नहीं रहे।

10. आपको खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2013 में भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। आपको वर्ष 2011-12 एवं 2014-15 में सबसे सफल क्रिकेटर होने के कारण बीसीसीआई पॉली उमरीगर पुरस्कार से नवाज़ा गया है। आपको वर्ष 2012 में आईसीसी पुरूष एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर घोषित किया गया था।